यमन की त्रासदी

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

21 जनवरी, 2022

ईरान, सऊदी अरब और यूएई को प्रॉक्सी पर लगाम लगाना चाहिए और यमन के पुनर्निर्माण की दिशा में काम करना चाहिए।

सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात एक हिस्सा था, ने सेना से हौथी विद्रोहियों को तेजी से हटाने और राजधानी में अब्दराबुह मंसूर हादी की सरकार को बहाल करने की उम्मीद में 2015 में यमन पर बमबारी शुरू कर दी थी। लगभग सात साल बाद, ईरान समर्थित हौथी विद्रोही, जो उत्तरी यमन में छिपे हुए थे और सऊदी अरब में मिसाइलों और ड्रोन के साथ जवाबी हमले शुरू कर दिए थे, ने संयुक्त अरब अमीरात के खाड़ी तट तक युद्ध का विस्तार किया है।

हौथी विद्रोहियों द्वारा अबू धाबी पर सोमवार के ड्रोन हमले, जिसमें दो भारतीय और एक पाकिस्तानी मारे गए थे, अमीरातियों के लिए एक संदेश था कि वे क्या करने में सक्षम हैं। यह कोई संयोग नहीं हो सकता है कि हमले ऐसे समय में किए गए थे जब संयुक्त अरब अमीरात समर्थित बल यमन के हौथियों के खिलाफ संघर्ष में धीमी गति से लाभ कमा रहे थे। लेकिन यमन में यूएई की संलिप्तता के कई मोड़ आए हैं। इसने 2020 में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन को छोड़ दिया क्योंकि युद्ध में गतिरोध आ गया था। तब से, अमीरात ने दक्षिणी यमन में एक अलगाववादी निकाय, दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद को सामरिक समर्थन प्रदान किया है, जिसने राष्ट्रपति हौदी के प्रति वफादारी से समप्रित बलों का सदन से खदेड़ दिया।

गतिशीलता फिर से बदल गई जब हौथियों ने अपने गढ़, विशेष रूप से मारिब के बाहर के क्षेत्रों में धकेलना शुरू कर दिया; यदि वे मारिब को ले जाते हैं, तो वे दक्षिण में धकेलने के लिए एक कदम आगे होंगे। आगे हौथी क्षेत्रीय लाभ की संभावनाओं का सामना करते हुए, संयुक्त अरब अमीरात समर्थित बलों जैसे जायंट्स ब्रिगेड्स (दक्षिण से एक मिलिशिया) ने सरकार के साथ हाथ मिलाया है। उसके तुरंत बाद अबू धाबी में हमले हुए।

ये विवाद को बढ़ा सकते हैं। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन की तत्काल प्रतिक्रिया आंशिक रूप से नष्ट हुए सना पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले करने की रही है। यूएई ने भी जवाबी कार्रवाई की कसम खाई है। यमन से अमीरातियों को डराने के लिए हौथी विद्रोहियों की हड़ताल अबू धाबी से विपरीत प्रतिक्रिया को ट्रिगर कर सकती है, जिसके पास अब दक्षिण में शक्तिशाली गठबंधन है, जो पर्दे के पीछे मौजूद है।

हिंसा का चक्र यमन के 30 मिलियन लोगों के लिए दु:खद समाचार देता है, जिनके लिए यमन को यूनिसेफ ने "जीवित नरक" कहा है। यमन, अरब दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक, तीन-तरफा संकट का सामना कर रहा है- संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं, सरकार और सामाजिक सेवाओं के पतन से कई और परित्यक्त या पीड़ित हैं; और सामूहिक भूख। इस त्रासदी से निपटने

के लिए पहला कदम लड़ाई को खत्म करना है। लेकिन, दुर्भाग्य से, संघर्ष के पक्ष और उनके क्षेत्रीय समर्थक समाधान खोजने के बजाय संघर्ष को और आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।

अगर पिछले सात वर्षों की लड़ाई से कोई सबक मिलता है, तो वह यह है कि यमन की समस्याओं का कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता है। तनाव कम करने के लिए, न केवल विद्रोहियों, अलगाववादियों और सरकार के बीच, बल्कि उनके समर्थकों- ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच भी बातचीत होनी चाहिए।

यदि ये क्षेत्रीय शक्तियाँ अपने प्रॉक्सी पर लगाम लगाने और यमन के पुनर्निर्माण की दिशा में काम करने के लिए सहमत हो जाती हैं, तो इससे उन्हें अरब प्रायद्वीप में स्थिरता और सुरक्षा बहाल करने में भी मदद मिलेगी।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. यमन संघर्ष के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. इस संघर्ष में शामिल हौथी विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है।
2. इस संघर्ष में यूएई और सऊदी अरब एक दूसरे के विरोधी हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न तो 1 न ही 2

Expected Question (Prelims Exams)

Q. With reference to the Yemen conflict, consider the following statements:

1. The Houthi rebel involved in this conflict has the support of Iran.
2. In this conflict, UAE and Saudi Arabia are adversaries of each other.

Which of the above statement is/are true?

(a) 1 Only
(b) 2 Only
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. यमन में संघर्ष के क्या कारण हैं? इस संघर्ष में शामिल सभी हितधारकों के पक्ष को विस्तार से समझाइए।

(250 शब्द)

Q. What are the reasons for the conflict in Yemen? Explain in detail the side of all the stakeholders involved in this conflict.

(250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।